web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 31 अक्टूबर 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 35

आंध्र प्रदेश रेल हादसा : अब तक 13 लोगों की मौत

22 ट्रेनें हुई रद्द, 18 ट्रेनों के बदले गए रूट

विशाखापत्तनम (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में यात्री ट्रेन के सिग्नल पार कर दूसरी यात्री ट्रेन से टकराने से 13 यात्रियों की मौत हो गई और 50 से अधिक अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कोठावलासा मंडल (ब्लॉक) में कंटाकपल्ली जंक्शन के पास विशाखापत्तनम-रायगड़ा पैसेंजर से टकरा जाने के बाद विशाखापत्तनम-पलासा पैसेंजर ट्रेन के कम से कम पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। इस हादसे के बाद 18 ट्रेनों को रूट डायवर्ट किया गया है, जबकि 22 ट्रेनों को फिलहाल रद्द कर दिया गया है

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, ईस्ट कोस्ट रेलवे जोन के वाल्टेयर डिवीजन के विजयनगरम-कोत्तावलासा रेलवे खंड में अलमांडा और कंटाकपल्ली के बीच हादसा शाम करीब 7 बजे हुआ। इस हादसे में ट्रेन नंबर 08532 विशाखापत्तनम-पलासा पैसेंजर और 08504 विशाखापत्तनम-रायगड़ा पैसेंजर स्पेशल की टक्कर हो गई। अधिकारियों ने बताया कि विशाखापत्तनम-रायगड़ा पैसेंजर ट्रेन के सिग्नल ओवरशूटिंग के कारण टक्कर हुई। दुर्घटना का संभावित कारण मानवीय भूल है।

विशाखापत्तनम-पलासा पैसेंजर ट्रेन के पीछे के पांच डिब्बे और विशाखापत्तनम-रायगड़ा पैसेंजर का लोको पटरी से उतर गया। स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने बचाव और राहत अभियान चलाया। दुर्घटनास्थल पर अंधेरा था, जिससे बचाव कार्य मुश्किल हो गया।

विजयनगरम जिला कलेक्टर नागा लक्ष्मी ने कहा कि 32 घायलों को विजयनगरम के सरकारी सामान्य अस्पताल, विशाखा एनआरआई और मेडिकवर अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

सभी घायल आंध्र प्रदेश के हैं। उनमें से चार की हालत गंभीर है, जबकि गंभीर रूप से घायल एक को विशाखापत्तनम ले जाया गया। राज्य के मंत्री बोत्सा सत्यनारायण, कलेक्टर नागा लक्ष्मी और पुलिस अधीक्षक दीपिका पाटिल बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे थे। वाल्टेयर मंडल रेल प्रबंधक सौरभ प्रसाद और पूर्वी तट रेलवे के अन्य अधिकारी दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। कुछ राहत ट्रेनें चलाई गई हैं और अन्य बचाव उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं।

रेलवे क्रासिंग पर वंदे भारत ट्रेन की चपेट में आई महिला व उसकी दो बेटियां, मौत

मेरठ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के कंकरखेड़ा थाना इलाके में कासमपुर रेलवे क्रासिंग पर वंदे भारत ट्रेन की चपेट में एक महिला और उसकी दो बेटियां आ गई। हादसे में तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान मोना (40) , इशिका (17) और चारू(7) के रूप में हुई। शहर पुलिस अधीक्षक पीयूष सिंह ने बताया कि करीब 7 बजे सूचना मिली कि कंकरखेड़ा थाना इलाके में कासमपुर रेलवे क्रासिंग पर ट्रेन की चेपट आने से तीन लोगों की मौत हो गई। सूचना पर स्थानीय पुलिस और रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। एएसपी ने बताया कि हादसा उस वक्त हुआ जब ट्रेन आने का समय था और रेलवे फाटक दोनों ओर से बंद था। इसी बीच महिला और उसकी बेटियां रेलवे लाइन क्रास करने लगीं और ट्रेन की चेपट में आ गई। उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जांच जारी है।

दर्दनाक हादसा : दो स्कूल वाहनों में भीषण टक्कर, तीन बच्चों समेत चार की मौत

बदायूं (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में सोमवार सुबह दो स्कूल वाहनों की आपस में भिड़ंत हो गई जिसमें तीन बच्चों और एक वाहन चालक की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार, आठ बच्चों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा सोमवार सुबह करीब आठ बजकर 45 मिनट पर बदायूं के नवीगंज के पास हुआ है। दोनों वाहन की स्पीड काफी तेज थी और दोनों की भिड़ंत आमने-सामने से हुई है।

थाना उसावां क्षेत्र के गांव नवीगंज के पास एसआरपीएस इंग्लिश मीडियम स्कूल गौतरा की वैन और सत्यदेव इंटर कॉलेज म्याऊं की छात्र छात्राओं से भरी बस की आमने सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में वैन चालक और उसकी ही वैन में मौजूद छात्र की मृत्यु हो गई जबकि बस और वैन के 12 छात्र घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। जानकारी मिलते ही बच्चों के स्वजन भी पहुंच गए। घायल बच्चों को निकाल कर सडक़ पर लिटा दिया गया, जिससे कई बच्चों की मृत्यु की सूचना फैल गई। सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुच गई। सभी घायलों को सीएचसी म्याऊं भेजा गया। वहां से आठ घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

सीआरपीएफ का राज्य पर 11,348 करोड़ बकाया

❑ नक्सलवाद से लड़ाई में कर्जदार हुआ झारखंड,

रांची (आरएनएस)। झारखंड को नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य में केंद्रीय बलों की तैनाती के एवज में बड़ी 'कीमत' चुकानी पड़ रही है। सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) ने राज्य सरकार पर 11 हजार 348 करोड़ 58 लाख रुपए की दावेदारी की है।

पिछले साल राज्य सरकार ने सीआरपीएफ को बकाया मद में 1,700 करोड़ का भुगतान किया था। राज्य सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को इस संबंध में पत्र लिखकर केंद्रीय बलों की तैनाती, अब तक किए गए भुगतान और बकाया आदि का पूरा ब्योरा मांगा है, ताकि दावा राशि के भुगतान पर निर्णय लिया जा सके।

गौरतलब है कि राज्य में आज की तारीख में सीआरपीएफ की 132 कंपनियों की तैनाती है। इन्हें मुख्य तौर पर राज्य के नक्सल प्रभावित इलाकों में लगाया गया है। इन बलों की तैनाती पिछले डेढ़ दशक से भी ज्यादा वक्त से है। केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने पिछले वर्ष अपनी समीक्षा में पूरे देश में नक्सलियों के प्रभाव वाले कुल जिलों की संख्या 70 पायी थी। इनमें से नक्सलवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 25 है।

झारखंड में 8 जिले नक्सलियों के अति प्रभाव वाले हैं, जबकि 8 अन्य जिले सामान्य प्रभाव वाले माने गये हैं। अति माओवाद प्रभावित जिलों में चतरा, गिरिडीह, गुमला, खूंटी, लोहरदगा, लातेहार, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम हैं, जबकि सामान्य प्रभाव वाले जिलों में रांची, बोकारो, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, सिमडेगा, गढ़वा, गिरिडीह और हजारीबाग शामिल हैं।

इन सभी जिलों में आईबी और पुलिस की खुफिया रिपोर्ट्स के आधार पर सेंट्रल पारा मिलिट्री फोर्सेज की मदद से अभियान लगातार जारी है और नक्सलियों के प्रभाव में एक हद तक कमी भी आयी है। राज्य में कुल मिलाकर नक्सलियों की संख्या अब कुछ सौ रह गयी है, लेकिन नक्सल प्रभावित जिलों में विधि-व्यवस्था और अमन-चैन कायम करने के लिए केंद्रीय बलों की 132 कंपनियां तैनात हैं। केंद्रीय एवं पुलिस बलों को मिलाकर लगभग 85 हजार जवान राज्य में तैनात हैं।

पीएम मोदी ने गुजरात में 5950 करोड़ की परियोजनाओं का किया शिलान्यास

गांधीनगर । आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को गुजरात के मेहसाणा जिले के डाभोड़ा गांव में 5950 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

मोदी द्वारा किये गये विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास में भारतीय रेल, गुजरात रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (जीआरआईडीई), जल संसाधन विभाग, जलापूर्ति विभाग, सडक़ एवं आवास विभाग तथा शहरी विकास विभाग के विकास कार्य शामिल हैं। मेहसाणा, अहमदाबाद, बनासकांठा, साबरकांठा, महीसागर, गांधीनगर और पाटण सहित गुजरात के सात जिलों को इन विकास कार्यों का लाभ मिलेगा।

इन सभी जिलों को मिलने वाली कुल 16 विकास परियोजनाओं की सौगात के अंतर्गत आठ परियोजनाओं का लोकार्पण और आठ का शिलान्यास किया गया। रेलवे विभाग और जीआरआईडीई के प्रकल्प मेहसाणा और अहमदाबाद में रेलवे विभाग के दो प्रकल्प लोकार्पण के लिए तैयार थे। मेहसाणा में न्यू भांडू से न्यू साणंद तक पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई गलियारा अनुभाग, 77 किलोमीटर की इलेक्ट्रिफाइड डबल लाइन के साथ ही 24 किमी लंबी कनेक्टिंग लाइनों का लोकार्पण किया गया।

इसके अलावा प्रधानमंत्री ने वीरमगाम से सामखियाली तक की 182 किमी लंबी रेल लाइन के दोहरीकरण कार्य का लोकार्पण किया। यह लाइन अहमदाबाद, सुरेन्द्रनगर, मोरबी और राजकोट जिले को कवर करेगी। इसके अतिरिक्त, गुजरात रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की ओर से मेहसाणा कटोसण-बेचराजी के बीच 29.65 किमी के रेलवे प्रोजेक्ट का भी लोकार्पण किया गया। इस प्रोजेक्ट से मांडल- बेचराजी विशेष निवेश क्षेत्र (एसआईआर-सर) में कार्यरत कंपनियों को लाभ होगा। रेलवे और जीआरआईडीई की इन परियोजनाओं की लागत 5130 करोड़ रुपये है।

जम्मू-कश्मीर में सेना को बड़ी सफलता: केरन सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, आतंकवादी ढेर

जम्मू (आरएनएस)। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में पुलिस और सेना के संयुक्त अभियान में घुसपैठ की कोशिश नाकाम होने के बाद एक आतंकवादी मारा गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा, कल शुरू हुए एक संयुक्त अभियान में सेना और कुपवाड़ा पुलिस ने केरन सेक्टर के जुमागुंड इलाके में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया, इसमें एक आतंकवादी मारा गया है।

पुलिस ने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है। एक सप्ताह से भी कम समय में कुपवाड़ा में घुसपैठ की यह दूसरी कोशिश नाकाम की गई है। इसके पहले 26 अक्टूबर को कुपवाड़ा जिले के माछिल सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर पुलिस और सेना द्वारा शुरू किए गए एक संयुक्त अभियान में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया गया था।

दिव्यांग मतदाताओं के सुगम मतदान के लिए किए जा रहे प्रयासों का उठाएं अधिकतम लाभ - रीना बाबासाहेब कंगाले

❑ 'दिव्यांग मतदाताओं के सुगम मतदान' पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी संपन्न

❑ दिव्यांग एवं 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं को मतदान केन्द्र तक लाने और ले जाने की व्यवस्था करेगा निर्वाचन आयोग

रायपुर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने आज रेडक्रास भवन रायपुर के सभाकक्ष में दिव्यांग मतदाताओं के सुगम मतदान विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन में दिव्यांग तथा वृद्ध मतदाताओं को मतदान में सुविधा प्रदान करने के लिए व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि दिव्यांगों तथा वृद्ध मतदाताओं के लिए मतदान की प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाते हुए इस वर्ग के मतदाताओं को घर बैठे ही डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करने का विकल्प दिया गया है। इसके साथ ही यदि दिव्यांग मतदाता मतदान करने के लिए मतदान केन्द्र तक आने के लिए वाहन की सुविधा चाहेंगे तो उन्हें निर्वाचन आयोग की तरफ से सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इस सुविधा के लिए ऐसे मतदाताओं को पहले अपना पंजीयन कराना होगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कंगाले ने बताया कि मतदान दिवस को दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं के सहयोग हेतु एनएसएस, एनसीसी, स्काउट गाइड के स्वयंसेवकों की ड्यूटी भी लगाई जाएगी। मतदान केंद्र पर मतदान के लिए आने वाले दिव्यांग एवं 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाताओं को कतार में खड़े न रहना पड़े, इस बात को ध्यान में रखते हुए उन्हें अपने मताधिकार का प्रयोग पहले करने के लिए प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। दृष्टिबाधित मतदाताओं के लिए ईवीएम मशीन पर प्रत्याशियों का नाम ब्रेल लिपि में भी मुद्रित कराया जा रहा है। मतदान कक्ष में दिव्यांग मतदाताओं की विशेष जरूरतों के संबंध में मतदान कर्मियों को संवेदनशीलता से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्य स्तरीय संगोष्ठी को कलेक्टर सर्वेश्वर भूरे ने भी संबोधित किया। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्र पर स्थापित होने वाले मतदाता सहायता बूथ (वीएबी) की स्थिति की जानकारी दिव्यांग मतदाताओं को देने के लिए संकेतक चस्पा किए जा रहे हैं। उन्होंने दिव्यांग मतदाताओं के लिए तैयार सक्षम मोबाइल एप का उल्लेख करते हुए इसे बहुउपयोगी बताया।

राज्य स्तरीय मतदाता आइकन चित्रसेन साहू ने आयोग के प्रयासों का उल्लेख करते हुए इसे दिव्यांग मतदाताओं के लिए बहुत कारगर कदम बताया। उन्होंने अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए बताया कि अब मतदान करना सही मायनों में उत्सव हो गया है। पहले मतदान केन्द्र तक जाना और कतार में खड़े होकर मतदान करना दिव्यांगों के लिए बड़ी समस्या होती थी। निर्वाचन आयोग द्वारा बीते कुछ वर्षों में सुगम निर्वाचन के लिए जो प्रयास किए गए हैं, वो अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आयोग के इन प्रयासों के कारण शत-प्रतिशत दिव्यांग मतदाता मतदान करने के लिए आगे आएंगे।

संगोष्ठी में जिला स्तरीय मतदाता ऑइकॉन पृथ्वी राज ने सक्षम एप की उपयोगिता का उल्लेख किया। उन्होंने इसे दिव्यांगों के लिए हाइटेक सुविधा बताते हुए अधिक से अधिक प्रसारित करने की बात कही। संगोष्ठी के दौरान दिव्यांग मतदाताओं के समक्ष इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन के माध्यम से मतदान की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही सक्षम एप के उपयोग के संबंध में भी प्रस्तुति दी गई।

संगोष्ठी में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अबिनाश मिश्रा, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के.आर.आर. सिंह और सहायक उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी शारदा अग्रवाल सहित समाज कल्याण विभाग के अधिकारी तथा श्रवण एवं दृष्टिबाधित मतदाता उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण एवं खास

जम्मू-कश्मीर में फिर टारगेट किलिंग, आतंकियों ने बाहरी मजदूर की गोली मारकर की हत्या

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में आतंकवादियों ने सोमवार को एक गैर-स्थानीय मजदूर की गोली मारकर हत्या कर दी। मजदूर की पहचान उत्तर प्रदेश के मुकेश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा, आतंकवादियों ने पुलवामा की त्राल तहसील के नौपोरा इलाके के तुमची गांव में गैर-स्थानीय मजदूर पर गोलीबारी की। बाद में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल इलाके की घेराबंदी गई है। पुलिस और सेना के जवान आतंकियों की तलाश में जुटे हैं। बता दें कि सोमवार को सुबह ही कुपवाड़ा में सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की एक कोशिश को भी नाकाम कर दिया था और एक आतंकवादी को मुठभेड़ में मार गिराया था।

यात्रियों से भरी मिनी बस खाई में गिरी, 6 लोगों की मौके पर मौत; दो की हालत गंभीर

काबुल । अफगानिस्तान के बदगीस प्रांत में एक मिनी बस के खाई में गिर जाने से छह यात्रियों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रुप से घायल हो गए। प्रांतीय पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि मिनी बस पड़ोसी हेरात प्रांत की ओर जा रही थी, लेकिन कामारी जिले में खड्ड में गिर गई, इससे छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल घायल हो गए। यह दूसरी सडक़ दुर्घटना है। पिछली सडक़ दुर्घटना में, सुबह दक्षिणी ज़ाबुल प्रांत में एक यात्री बस पलट गई, इसमें दो लोगों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए।

दक्षिणी मेक्सिको में ओटिस तूफान से मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 43

मेक्सिको सिटी । मेक्सिको के गुएरेरो राज्य में ओटिस तूफान से मरने वालों की संख्या बढक़र 43 हो गई है, जबकि 36 लोग अभी भी लापता हैं। यह जानकारी राज्य के गवर्नर एवलिन सालगाडो ने दी। गवर्नर ने राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्राडोर से फोन बातचीत की और कहा कि यह शुरुआती आंकड़ा है। श्रेणी पांच का तूफान ओटिस गुएरेरो के प्रशांत तट से टकराया था, जिससे मैक्सिको के मुख्य पर्यटन स्थलों में से एक अकापुल्को के समुद्र तटीय रिसॉर्ट को गंभीर नुकसान पहुंचा। राष्ट्रपति ओब्राडोर ने कहा कि देश के स्वामित्व वाले संघीय विद्युत आयोग ने अकापुल्को बंदरगाह में गिरे हुए 10,000 में से 3,211 बिजली के खंभे वापस लगा दिया है। उन्होंने अनुमान लगाया कि गैसोलीन, डीजल और घरेलू गैस जैसे ईंधन की आपूर्ति के लिए सोमवार रात तक अकापुल्को में बिजली की आपूर्ति पूरी तरह से बहाल कर ली जाएगी।

असम के पूर्व मंत्री शरत बरकोटोकी का 86 वर्ष की आयु में हुआ निधन

गुवाहाटी (आरएनएस)। असम में कांग्रेस के पूर्व मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता शरत बरकोटोकी का सोमवार सुबह 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अधिकारियों के मुताबिक, बरकोटोकी का गौहाटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच) में इलाज चल रहा था। वरिष्ठ नेता ने 25 सालों तक विधायक के रूप में जोरहाट जिले के सोनारी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। दिवंगत मुख्यमंत्री तरूण गोगोई के पिछले कार्यकाल के दौरान, बरकोटोकी ने शिक्षा मंत्री का पद भी संभाला था। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दुख व्यक्त करते हुए अपने एक्स हैंडल पर लिखा, वरिष्ठ राजनेता, असम सरकार के पूर्व मंत्री शरत बरकोटोकी के निधन के बारे में सुनकर दुख हुआ। वह एक कुशल राजनीतिज्ञ और स्वच्छ व्यक्तित्व के व्यक्ति हैं। कई वर्षों तक एक सहकर्मी के रूप में मैंने उनसे बहुत सी बातें सीखीं। उनका निधन असम के राजनीतिक स्पेक्ट्रम के लिए एक बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा, मैं अनुभवी राजनेता की शाश्वत शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।